CNEWS सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-161
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार

स्वीकार करना बहुत पीड़ादायक होता है, पर जीने के लिए करना होता है।

बिहार सिटी चीफ

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

बिहार, रविवार 15 सितम्बर 2024

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

महामारी रोकना है तो करने होंगे ये उपाय

पटना में स्कूल से अस्पताल तक मिला डेंगू का लार्वा

पटना। बिहार में डेंगू के मामले लगातार बढ़ रहे हैं. पटना समेत कई शहरों में नये हॉट स्पॉट सामने आ रहे हैं. राजधानी इलाके में यह बीमारी अब महामारी का रूप लेती जा रही है. पटना शहर के 20 इलाकों में भारी मात्रा में डेंगू फैलानेवाले मच्छर मादा एडीज के लार्वा मिले हैं. सभी हॉट स्पॉट वाले इलाकों में लार्वा पाए गए हैं. स्थिति का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि पटना के सभी प्रमुख अस्पतालों में बड़ी मात्रा में यह लार्वा पाया गया है. इसके अलावा रेलवे स्टेशन, स्कूल, अपार्टमेंट आदि जगहों पर भी यह बड़ी मात्रा में मिला है. दिल्ली स्थित नेशनल सेंटर फॉर वेक्टर बार्नडीजिज की टीम ने इतनी मात्रा में लार्वा देख चिंता जताई है. साथ ही स्वास्थ्य विभाग और नगर निगम के अधिकारियों से कहा है कि बीमारी पर नियंत्रण और लार्वानष्ट करने के लिए ठोस उपाय करें, नहीं तो यह विकराल रूप धारण कर सकता है.

इन इलाकों में मिला लार्वा

पटना के कंकड़बाग अंचल में महात्मा गांधीनगर,

भूतनाथ रोड, भागवतनगर, रामकृष्णानगर, अजीमाबाद अंचल की विस्कोमान कॉलोनी, तुलसी मंडी, बड़ी पहाड़ी, आलमगंज, बांकीपुर अंचल के कस्तूरबानगर, केला मंडी, मुसल्लहपुर हाट, महेंद्रू, द्रूनूतन राजधानी अंचल के मीठापुर, जनता रोड, आयकर गोलंबर के आसपास के इलाके, पाटलिपुत्र अंचल के जगदेव पथ और आशियाना मोड़ तथा पटना सिटी अंचल की झुनझुनवाला लेन, बेगमपुर और झावगंज मेंकाफी मात्रा में लार्वा मिले हैं. बाजार समिति में भी डेंगू के मच्छर होने की आशंका जताई गई है.

पीएमसीएच और एनएमसीएच में भी मिले लार्वा

शहर के विभिन्न इलाकों के अलावा जांच टीम पीएमसीएच और एनएमसीएच भी गई थी. यहां भी जांच के दौरान लार्वा पाए गए हैं. पीएमसीएच और एनएमसीएच के वैसे जगहों पर लार्वा मिलेहैं, जहां निर्माण की वजह से हुए गड्ढों में पानी जमा हैं. डेंगू फैलानेवाले मच्छर मादा एडीज का लार्वाघर, अपार्टमेंट, सरकारी दफ्तर या निजी संस्थानों में रखे गमले में भी पनप रहे हैं. केंद्रीय टीम ने राजेंद्रनगर टर्मिनल, गर्दनीबाग बालिका विद्यालय, बाजार समिति समेत कई इलाकों में परीक्षण के बाद पानी में लार्वा पाया. कंकड़बाग, बांकीपुर, गर्दनीबाग के कई अपार्टमेंट में भी ऐसी शिकायत मिली है. वैसे इस मामले में नगर निगम का दावा है कि वो एंटी लार्वा का छिड़काव करने के लिए 375 टीमें बनाई हैं. निगम के सभी 75 वार्ड में 52 टेंपो फॉगिंग मशीन से छिड़काव किया जा रहा है. हालांकि फॉगिंग अभियान में लगे अधिकारियों का कहना है कि प्रत्येक वार्ड में कम से कम एक फॉगिंग गाड़ी की जरूरत है.

पिछले 24 घंटे में मिले 47 नए मरीज

पटना जिले में पिछले 24 घंटे में डेंगू के 47 नए मरीज मिले हैं. इनमें पटना शहरी क्षेत्र में 40 और ग्रामीण इलाकों में सात डेंगू मरीज मिलने पर कुल संख्या 680 हो गई. कंकड़बाग अंचल में डेंगू के 14 मरीज मिले. पाटलिपुत्र अंचल और पटना सिटी अंचल में आठ-आठ, जबकि अजीमाबाद-बांकीपुर अंचल में चार-चार तो नूतन राजधानी अंचल में दो मरीज मिले हैं. पटना से सटे संपतचक में तीन डेंगू मरीज मिले. बाढ़, दनियावां, दानापुर, मसौढ़ी में एक-एक डेंगू मरीज मिले हैं.

इसके एक दिन पहले जिले में 59 और गुरुवार को 34 मरीज मिले थे. पूरे राय में 102 नए डेंगू मरीज मिले हैं. इस तरह रायभर में कुल डेंगू पीड़ितों की संख्या 1637 पहुंच चुकी है.

बिहार के 7 जिलों में होगी मूसलाधार बारिश

ऑरेंज अलर्ट जारी, लोगों से सावधान रहने की अपील

पटना। राजधानी समेत प्रदेश में मानसून की गतिविधि में तेजी आने के कारण सभी जिलों में वर्षा का प्रभाव बना हुआ है।

मौसम विज्ञान केंद्र पटना के अनुसार, गंगेय पश्चिम बंगाल व उससे सटे बांग्लादेशके आसपास गहरा दबाव बना हुआ है। अगले 24 घंटों के दौरान झारखंड व छत्तीसगढ़ के आसपास बढ़ने की संभावना है।

इसके कारण दक्षिणी भागों में बादलों की गति में वृद्धि होने के कारण पटना सहित रोहतास, कैमूर, जहानाबाद, नालंदा, मुंगेर व भागलपुर में भारी वर्षा जबकि जमुई, नवादा, गया, औरंगाबाद, अरवल व बांका में गरज-तड़क के साथ अति भारी वर्षा को लेकर औरेंज अलर्ट जारी किया गया है। मौसम में बदलाव को देखते हुए लोगों को सर्तक रहने के साथ पशुओं की देखभाल करने की सलाह दी गई है। दो दिनों के

दौरान तापमान में दो से तीन डिग्री गिरावट की संभावना है। दो दिनों तक प्रदेश में वर्षा का प्रभाव बना रहेगा।

शनिवार को पटना सहित आसपास इलाकों में सुबह से छिटपुट वर्षा व बेगूसराय, मधुबनी, नालंदा, मुंगेर, जमुई और समस्तीपुर समेत अन्य भागों में तेज हवा के साथ वर्षा होने से मौसम सामान्य बना रहा। बीते 24 घंटों के दौरान प्रदेश के अलग-अलग भागों में वर्षा दर्ज की गई।

खगड़िया के बेलदौर में सर्वाधिक वर्षा 91.4 मिमी दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश में अभी भी सामान्य से 28 फीसद कम वर्षा दर्ज हुई है। मौसम में आए बदलाव के कारण पटना सहित कई जिलों के तापमान में गिरावट दर्ज की गई। शनिवार को पटना के अधिकतम तापमान में 3.3 डिग्री गिरावट के साथ 29.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जबकि, 35.0 डिग्री सेल्सियस के साथ सिवान के जीरादेई में सर्वाधिक तापमान दर्ज किया गया। राजधानी में 4.1 मिमी, भागलपुर में 33.0 मिमी, दरभंगा में 44.2 मिमी, नवादा में 53.5 मिमी वर्षा शनिवार को दर्ज हुई।

इन जगहों पर दर्ज हुई वर्षा

जमुई के खैरा में 89.0 मिमी, लखीसराय में 80.0 मिमी, औरंगाबाद के नवीनगर में 78.2 मिमी, जमुई में 75.8 मिमी, खगड़िया के गोगरी में 70.2 मिमी, बेगूसराय में 64.8 मिमी, लखीसराय के चानन में 58.4 मिमी, कटिहार के कुरसेला में 52.6 मिमी, खगड़िया के परबत्ता में 52.4 मिमी, नवादा के रोह में 51.3 मिमी, मधेपुरा के चौसा में 48.6 मिमी, कटिहार के अमदाबाद में 47.6 मिमी, समस्तीपुर के हसनपुर में 46.4 मिमी, शेखपुरा के बरबिगहा में 46.2 मिमी वर्षा दर्ज की गई।

आर्केस्ट्रा संचालक की मौत

छपरा- सिवान NH पर ट्रक और स्कॉर्पियो के बीच भीषण टक्कर

दाउदपुर (सारण)। छपरा -सिवान मुख्य मार्ग पर दाउदपुर थाना क्षेत्र के नंदलाल सिंह कॉलेज के समीप रविवार की सुबह ट्रक और स्कॉर्पियो के बीच भीषण टक्कर हो गई। इसमें आर्केस्ट्रा संचालक की मौत हो गई है। मृतक सिवान जिला के दरौंदा थाना क्षेत्र के भीखाबांध गांव निवासी स्वर्गीय रामप्रवेश उपाध्याय के 65 वर्षीय पुत्र अभय किशोर उपाध्याय बताए जाते हैं। घटना की जानकारी होते ही मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुट गई। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, आर्केस्ट्रा संचालक अभय किशोर उपाध्याय रात के करीब दो बजे स्कॉर्पियो से छपरा स्टेशन जा रहे थे। सियालदह-बलिया एक्सप्रेस ट्रेन से कुछ लोग बंगाल से आ रहे थे, उन्हें वह लाने के लिए जा रहे थे।

इस बीच दाउदपुर थाना क्षेत्र के नंदलाल सिंह कॉलेज के पास ट्रक और स्कॉर्पियो में टक्कर हो गई। उसमें उनकी मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना की जानकारी ट्रक चालक ने पुलिस को दी। इसमें अन्य

चार लोग घायल हैं, जिनका इलाज छपरा सदर अस्पताल में चल रहा है। पुलिस इस मामले की छानबीन में जुटी हुई है। सूत्रों के अनुसार सिवान जिला के महराजगंज में रविवार को महावीर झंडा मेला आयोजित होने वाला है। उसी के लिए संचालक कुछ नर्तकियों को बंगाल से बुलाया था और वह सियालदह -बलिया एक्सप्रेस ट्रेन से छपरा आने वाली थी। उन्हीं को लाने के लिए संचालक जा रहे थे, तभी यह घटना घटित हुई है।

प्रशांत किशोर ने मंच से लोगों को दे दिया बड़ा संदेश

पटना। जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने कहा है कि नेताओं ने समाज में यह भ्रम फैला दिया है कि राजनीति में जाति और धनबल की जरूरत होती है। ऐसा कदापि नहीं है। वे शनिवार को पटना के ज्ञान भवन में प्रबुद्ध समाज के लोगों के साथ आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे।

पीके ने कहा कि आज समाज का एक बड़ा वर्ग जो शिक्षित हैं और जिनका चरित्र भी अछा है पर वह राजनीति से दूरी बनाए रखते हैं। इसकी वजह है उनके अंदर फैलाया गया भ्रम। यही वजह है कि जो सक्षम हैं और जिनकी सोच समाज में कुछ अछा करने की है वे इसी भ्रम की वजह से राजनीति से दूरी बनाकर रहना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि इसी वजह से जन सुराज विचार मंच की कल्पना की गई है। जो लोग राजनीति में समाज सेवा के उद्देश्य से आना चाहते हैं उनसे उम्मीद है कि वे जन सुराज का संदेश पहुंचाने में अपने को आगे लाएंगे। उन्होंने कहा इसके लिए हम सबको मिलकर प्रयास करना होगा। कार्यक्रम में जन सुराज विचार मंच के सभी जिला संवाद सारथी और प्रखंड संवाद सारथी उपस्थित थे। इस दौरान जन सुराज के मीडिया प्रभारी संजय कुमार व अन्य भी उपस्थित रहे।

सत्ता में आए तो एक घंटे में खत्म होगी शराबबंदी - पीके

यही नहीं, जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने यह तक कह दिया कि सत्ता में अगर वह आए तो एक घंटे के भीतर शराबबंदी कानून को खत्म कर उन्होंने यह भी बताया कि जन सुराज की स्थापना क्यों की गई है।

पीके ने कहा कि जो लोग राजनीति में समाज सेवा के उद्देश्य से आना चाहते हैं उनसे उम्मीद है कि वे जन सुराज का संदेश पहुंचाने में अपने को आगे लाएंगे।

टेंपू और ट्रैक्टर की टक्कर में दो लोगों की मौत, एक दर्जन से यादा लोग घायल

मुजफ्फरपुर में भीषण सड़क हादसा

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में टेंपू और ट्रैक्टर के बीच जबरदस्त टक्कर हो गई. जिसमें दो लोगों की मौत की सूचना है, वहीं एक दर्जन से यादा लोग घायल बताए जा रहे हैं. घटना मुजफ्फरपुर जिला के पानापुर थाना क्षेत्र का है. इस भीषण हादसे के बाद मौके पर अफरा तफरी की स्थिति उत्पन्न हो गई. आनन फानन में घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया.

गणेश पूजा का मेला देखने जा रहे थे लोग

बता दें कि जिले के कांटी थाना क्षेत्र के अकुराहा गांव निवासी करीब एक दर्जन से यादा लोग गणेश पूजा का मेला देखने जा रहे थे. रास्ते में पखनहा में एक ट्रैक्टर खड़ी थी. जिसमें अनियंत्रित टेंपू ने पीछे से ठोकर मार दिया. इस घटना में टेंपू सवार सभी लोग घायल हो गए. दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा तफरी की स्थिति उत्पन्न हो गई. लोगो में चीख पुकार मच गया.

मामले की जानकारी पानापुर ओपी थाना को दी गई. सूचना मिलने पर आनन फानन में पुलिस मौके पर पहुंची. घायलों को इलाज के लिए एसकेएमसीएच भेजा गया. जहां इलाज के दौरान दो लोगों की मौत हो गई.

मृतकों की हुई पहचान

मृतकों की पहचान मानसी कुमारी (5वर्ष) और रागिनी देवी (23 वर्ष) के रूप में हुई है. वही घायलों में टेंपू चालक शत्रुघ्न पासवान, खुशबू कुमारी, कंचन कुमारी, नीलू कुमारी, आशिक कुमार, राधिका कुमारी, पुष्पा देवी, राजेश ठाकुर, विराट कुमार, आहान कुमार, अदिति कुमारी समेत कई लोग शामिल है.

पुलिस ने क्या कहा?

परिजन घायलों को एसकेएमसीएच से प्राथमिक उपचार के बाद निजी अस्पताल भेज दिए है. परिजनों में चीत्कार मचा हुआ है. मामले में पानापुर थाना के दरोगा सुदर्शन प्रसाद ने बताया कि ट्रैक्टर और टेंपू की टक्कर हुई है. जिसमें कई लोग घायल हो गए है. सभी को इलाज के लिए एसकेएमसीएच भेज दिया गया है.

इस घटना में दो लोगों की मौत भी हुई है. आगे की कार्रवाई की जा रही है.

आंध्र की मछली पर बिहार की निर्भरता खत्म

अब तो 38 हजार टन मछली का हो रहा निर्यात

पटना। बिहार के स्वास्थ्य व कृषि मंत्री मंगल पांडेय ने कहा है कि मछली खाने से शारीरिक स्वास्थ्य के साथ ही बुद्धि भी बढ़ती है. बिहार के लोगों को अब ताजा मछली खाने को मिल रहा है. पिछले दस वर्षों में बिहार ने मछली उत्पादन में करीब 200 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की है. इससे रोजगार के साथ ही लोगों की आय बढ़ी है. बिहार अब मछली उत्पादन में आत्मनिर्भर होने के करीब है. आंध्र और बंगाल की मछलियों पर हमारी निर्भरता लगातार कम हो रही है. सीमांचल के इलाके में तो बिहार की मछलियां बंगाल निर्यात हो रही हैं.

10 वर्षों में 200 प्रतिशत बढ़ा मछली का उत्पादन

बिहार में मांसाहार उत्पादन में बढ़ोतरी की जानकारी देते हुए कृषि मंत्री मंगल पांडेय ने कहा कि राय में पिछले 10 वर्षों में केवल मछली ही नहीं में दूध, अंडा, व मांस का उत्पादन भी बढ़ा है. ज्ञान भवन में आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि दूध में 160, अंडा में 207, मांस में 120 और मछली उत्पादन में 193 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है. उन्होंने कहा कि 2023-24 में राय में मछली उत्पादन 8.73 लाख टन हुआ. 2005 के पहले उत्पादन बहुत ही कम था. मछली उत्पादन में आज हम आत्मनिर्भर हो गए हैं. सालाना 38 हजार टन मछली अब बिहार से दूसरे रायों को भेजी जा रही है.

बिहार में 207 हैचरी से 70 फीसदी बीज उत्पादन

पशुव मत्स्य संसाधन मंत्री रेणु देवी ने कहा कि चौथे कृषि रोडमैप के तहत वर्ष 2023 से 28 तक पशु व मत्स्य संसाधन विकास के लिए 3 हजार करोड़ का प्रावधान है. बिहार में 207 हैचरी से जरूरत का 70 फीसदी मछली बीज उत्पादन हो रहा है. विभाग की प्रधान सचिव डॉ. एन विजयलक्ष्मी ने कहा कि दूध, मांस, मछली और अंडा उत्पादन से 85 से 90 हजार करोड़ मिलता है. इसे बढ़ा कर सालाना 2 लाख करोड़ किया जा सकता है. मौके पर मछली पालन योजना के लिए लाभार्थियों को चेक दिए गए.